

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.

3415

B

LL.B.

V Term

Paper LB-501—CIVIL PROCEDURE

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

Answer any *Five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write short notes on any *three* of the following : 20

(a) Decree and Order.

(b) Rejection of plaint.

(c) Resjudicata between Co-defendants.

(d) Section 80 notice.

(e) Attachment of salary of the judgement debtor.

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (a) डिक्री तथा आदेश।
 - (b) वादपत्र का प्रतिक्षेपण।
 - (c) सह-प्रतिवादियों के बीच पूर्वन्याय।
 - (d) धारा 80 के अन्तर्गत नोटिस।
 - (e) निर्णीत ऋणी के वेतन की कुर्की।
2. (A) Explain the conditions necessary for a civil court to exercise jurisdiction.
- (B) 'A' residing in Delhi, publishes statements in Kolkata defamatory to 'B', a resident of Chandigarh. The newspaper is circulated in Lucknow, Chennai and Hyderabad. Advice 'B' as to place of suing. 20
- (A) उन शर्तों को स्पष्ट कीजिए जो किसी सिविल न्यायालय को अधिकारिता का प्रयोग करने के लिए जरूरी हैं।
- (B) दिल्ली में रहने वाला A चण्डीगढ़ निवासी B के लिए कोलकाता में मानहानिकारक वक्तव्य प्रकाशित करता है। समाचार-पत्र का प्रसार लखनऊ, चंनई तथा हैदराबाद में होता है। वाद चलाने के स्थान के बारे में B को परामर्श दीजिए।

3. (A) Explain the concept of Constructive Resjudicata with illustrations and cite the case law.
- (B) Under what circumstances a suit may be stayed u/s 10 of CPC? Discuss whether Section 10 applies to Summary suit. 20
- (A) आन्वयिक पूर्वन्याय की संकल्पना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए तथा निर्णय विधि का हवाला दीजिए।
- (B) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 10 के अन्तर्गत किसी वाद को किन परिस्थितियों में रोका जा सकेगा? विवेचन कीजिए कि क्या धारा 10 संक्षिप्त वाद पर लागू होती है।

4. 'A' filed a suit against 'B'. Summons is served to the defendant. On the date of hearing :

Situation-1. Both the parties are present.

Situation-2. Neither party is present.

Situation-3. Only the defendant is present.

Situation-4. Only the plaintiff is present.

How would the court proceed in each situation? Explain the remedies available to the party at default. Can the defendant claim 'to set the clock back'? 20

A ने B के विरुद्ध वाद फाइल किया। प्रतिवादी को समन तामील किया जाता है। सुनवाई की तारीख पर :

स्थिति-1. दोनों पक्षकार हाजिर हैं।

स्थिति-2. कोई पक्षकार हाजिर नहीं है।

स्थिति-3. केवल प्रतिवादी हाजिर है।

स्थिति-4. केवल वादी हाजिर है।

प्रत्येक स्थिति में न्यायालय क्या कार्यवाही करेगा? चूक करने वाले पक्षकार को उपलब्ध उपचारों को स्पष्ट कीजिए। क्या प्रतिवादी घड़ी की सुई उलटने की माँग कर सकता है?

5. (A) Explain the circumstances under which court will allow or refuse amendment in pleadings. What is the effect of an amendment in title on limitation?

(B) Explain the scope and limitations on inherent powers of the Civil Court u/s 151 of CPC. 20

(A) उन परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए जिनके तहत न्यायालय अभिवचन में संशोधन की अनुमति देगा या देने से मना करेगा। परिसीमा पर अभिधान में संशोधन का क्या परिणाम होता है?

(B) सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के अन्तर्गत सिविल न्यायालय की अन्तर्निहित शक्तियों की परिव्याप्ति और परिसीमा की व्याख्या कीजिए।

6. (A) Explain the procedure involved in a Summary suit. Under what circumstances the court can pass conditional order granting permission to defend?
- (B) Explain the principles involved in granting Temporary Injunction u/s 39. Whether temporary injunction can be passed restraining legal proceedings? 20
- (A) संक्षिप्त वाद में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। किन परिस्थितियों में न्यायालय प्रतिरक्षा करने के लिए अनुमति देते हुए सशर्त आदेश पारित कर सकता है?
- (B) आदेश 39 के अन्तर्गत अस्थायी व्यादेश मंजूर करने में निहित सिद्धान्तों को स्पष्ट कीजिए। क्या अस्थायी व्यादेश विधिक कार्यवाहियों को अवरोधित करते हुए पारित किया जा सकता है?
7. Discuss the scope of Reference, Review and Revision in civil procedure. Distinguish between them. 20
- सिविल प्रक्रिया में निर्देश, पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण की परिख्याप्ति का विवेचन कीजिए। उनमें विभेद स्पष्ट कीजिए।
8. Write short notes on *any three* of the following : 20
- (i) Substantial question of Law.

- (ii) Foreign judgement.
- (iii) Suit by or against minor.
- (iv) Lok Adalats.

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (i) विधि का सारवान प्रश्न।
- (ii) विदेशी निर्णय।
- (iii) अवयस्क द्वारा या उसके विरुद्ध वाद।
- (iv) लोक अदालत।